POLSTRAT x TEAM CVOTER we read the pulse of the nation

COVID-19 पोल

लगभग 20% भारतीयों को कोरोनोवायरस लॉकडाउन के दौरान सामान्य चिकित्सा देखभाल और भोजन प्राप्त करने में कठिनाई हुई।

टीम C-Voter के द्वारा 18 से 23 मई 2020 तक किए गए कोरोना ट्रैकर इकोनॉमी बैटरी (तरंग 3) सर्वेक्षण में उत्तरदाताओं से उनकी आर्थिक स्थिति पर कोरोनावायरस लॉकडाउन से आये संकट के प्रभाव पर उनके दृष्टिकोण के बारे में पूछा गया। सर्वेक्षण में लॉकडाउन के कार्यान्वयन पर उत्तरदाताओं के नजरिये पर सवाल, सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज के साथ-साथ चिकित्सा देखभाल, भोजन और नौकरी के नुकसान का खर्च नहीं उठाने का डर भी शामिल था।

आज के इन्फोग्राफिक में, टीम पोलस्ट्रैट ने उन भारतीयों की संख्या का विश्लेषण किया है जो भोजन प्राप्त करने में कठिनाई का अनुभव कर रहे हैं या कठिनाई का अनुभव कर चुके हैं, और जिन्होंने सामान्य चिकित्सा देखभाल और कोरोनावायरस संकट के दौरान बचत में पर्याप्त नुकसान की सूचना दी है।

क्या यह कुछ ऐसा है जो कोरोनोवायरस के कारण पहले ही हो चुका है, अथवा आप इसे निकट भविष्य में होने की उम्मीद करते हैं, अथवा आप इसे जल्द ही होने की उम्मीद नहीं करते हैं?

भूखे रहे/भोजन प्राप्त करने में कठिनाई

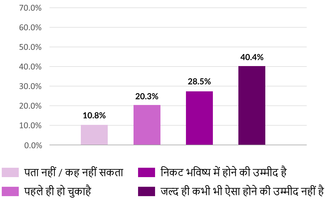

20.3% भारतीयों ने कोरोनावायरस **संकट के कारण भोजन प्राप्त न होने अथवा भोजन प्राप्त करने में कठिनाई की अनुभव** की सूचना दी। भारत की **जनसंख्या लगभग 1.35 बिलियन है**, यह लगभग **27 करोड़ लोगों के अनुभव को अनुवादित** करता है।

इसके अलावा, लगभग **38 करोड़ लोग निकट भविष्य में ऐसा होने की उम्मीद करते हैं**, जिससे देश में **भुखमरी/भय की वास्तविकता के बारे में चिंताजनक आंकड़ा प्रदर्शित होता है**।

सामान्य चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में कठिनाई

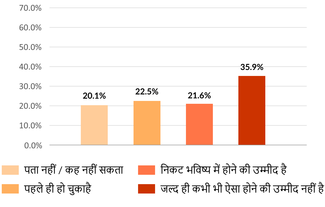

22.5% भारतीयों ने कोरोनावायरस के दौरान सामान्य **चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने में कठिनाई होने की सूचना दी**, जबकि निकट भविष्य में **अतिरिक्त 21.6% ऐसा होने की उम्मीद है**। यह लगभग **60 करोड़ भारतीयों को सामान्य चिकित्सा देखभाल प्राप्त** करने में कठिनाइयों का **अनुभव करने या होने वाले अनुभव की उम्मीद को अनुवादित करता है**।

पर्याप्त बचत खो गई

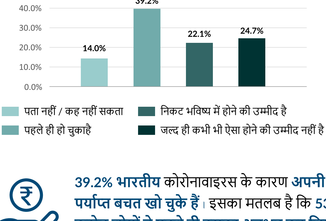

39.2% भारतीय कोरोनावाइरस के कारण **अपनी पर्याप्त बचत खो चुके हैं**। इसका मतलब है कि **53 करोड़ लोगों ने पहले ही इसका अनुभव कर लिया है** और अतिरिक्त **30 करोड़ लोग उम्मीद करते हैं कि निकट भविष्य में ऐसा हो सकता है**। कुल मिलाकर, लगभग **83 करोड़ लोग पहले ही अपनी पर्याप्त बचत खो चुके हैं या खोने की उम्मीद कर रहे है**।

सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान **टीम C-Voter** के कोरोना ट्रैकर इकोनॉमिक बैटरी तरंग 3 सर्वेक्षण पर आधारित है जो मई 2020 में 18+ वयस्कों के बीच राज्यव्यापी किया गया था, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं। **(नमूना आकार: 1474)**

| सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:
polstrat.com | teamcvoter.com